भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3571

21 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष को बढ़ावा देना

3571. श्री अनन्त नायक:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) को बढ़ावा देने के लिए कार्यान्वित की गई योजनाओं का ब्यौरा क्या है और ओडिशा में कितने स्वास्थ्य केंद्र काम कर रहे हैं;

(ख) क्या सरकार ओडिशा में नए आयुष अस्पताल और अनुसंधान केंद्र स्थापित करने की योजना बना रही है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी स्थान-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या ओडिशा में पारंपरिक औषधीय पौधों और जनजातीय लोगों की दवाओं की जानकारी के परिरक्षण और संवर्धन के लिए कोई विशेष योजना कार्यान्वित की जा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ओडिशा में चिकित्सा की 'आयुष' प्रणाली को मुख्य धारा की स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ एकीकृत करने के लिए कोई विशेष कदम उठा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): आयुष मंत्रालय ओडिशा सहित देश भर में आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी जैसी आयुष पद्धति के समग्र विकास और संवर्धन के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना को कार्यान्वित कर रहा है। एनएएम के तहत, ओडिशा सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्रस्तुत प्रस्तावों के सापेक्ष एनएएम दिशानिर्देशों के प्रावधान के अनुसार विभिन्न गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। यह मिशन अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित गतिविधियों के लिए प्रावधान करता है:-

i. आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र, जिसे अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) नाम दिया गया है।
ii. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंदों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं की सह-स्थापना।
iii. मौजूदा एकल सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन।
iv. मौजूदा सरकारी/पंचायत/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन/मौजूदा आयुष औषधालय (किराए पर/जीर्ण-शीर्ण आवास) के लिए भवन का निर्माण/उन क्षेत्रों में नए आयुष औषधालय की स्थापना के लिए भवन का निर्माण, जहां कोई आयुष सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।
v. 10/30/50 बिस्तरों तक के एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना।

vi. राजकीय आयुष अस्पतालों, राजकीय औषधालयों और सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थागत आयुष अस्पतालों को जरूरी औषधियों की आपूर्ति।

vii. आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम।

viii. उन राज्यों में नए आयुष महाविद्यालयों की स्थापना जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है।

ix. आयुष स्नातक संस्थानों और आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास/पीजी/फार्मेसी/पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों को शामिल करना।

एनएएम के तहत, ओडिशा राज्य सरकार से एसएएपी के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, 422 आयुष औषधालयों को आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों के रूप में उन्नत करने के लिए सहयोग प्रदान किया गया है, जिन्हें अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) के रूप में जाना जाता है और राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार सभी कार्यशील हैं।

(ख) और (ग): जन स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए ओडिशा राज्य में एकीकृत आयुष अस्पताल और अनुसंधान केंद्र स्थापित करने की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार की है। हालांकि, एनएएम के तहत एसएएपी के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, ओडिशा राज्य में कुल 3 इकाइयों बेहरामपुर, बालासोर और ढेंकेनाल, प्रत्येक में एक-एक 50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पताल की मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, एनएएम के तहत अनुसंधान केंद्र की स्थापना का कोई प्रावधान नहीं है।

(घ): राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ओडिशा सहित पूरे देश में "औषधीय पादपों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन" पर केंद्रीय क्षेत्र की योजना का कार्यान्वयन कर रहा है, जिसमें निम्नलिखित गतिविधियों के लिए सहयोग प्रदान किया जाता है:

(i) औषधीय पादपों के संवर्धन के लिए प्रशिक्षण/कार्यशालाएँ/सेमिनार/सम्मेलन आदि जैसी सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) गतिविधियाँ।

(ii) नर्सरियों की स्थापना।

(iii) स्व-स्थाने संरक्षण/बाह्य-स्थाने संरक्षण।

(iv) संयुक्त वन प्रबंधन समितियों (जेएफएमसी)/पंचायतों/वन पंचायतों/जैव विविधता प्रबंधन समितियों (बीएमसी)/स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के साथ आजीविका संबंध।

(v) अनुसंधान और विकास।

(vi) औषधीय पादपों के उत्पाद का प्रचार, विपणन और व्यापार।

(vii) औषधीय पादपों की आपूर्ति श्रृंखला में अग्रवर्ती और पश्चवर्ती संबंध (एकीकृत घटक) जिसके तहत निम्नलिखित गतिविधियों का समर्थन किया जाता है:

- खेती के लिए औषधीय पादपों की रोपण सामग्री जुटाने के लिए गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के लिए अवसंरचना।
- किसानों को जागरूक करने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) गतिविधियाँ।

- औषधीय पादपों की विपणन क्षमता बढ़ाने, उपज की गुणवत्ता बढ़ाने, लाभप्रदता बढ़ाने और घाटे को कम करने के लिए फसलोपरांत प्रबंधन और विपणन के लिए अवसंरचना।
- कच्चे माल की गुणवत्ता परीक्षण और प्रमाणन।

(ङ): भारत सरकार ने ओडिशा सहित पूरे देश में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं के सह-स्थापन की कार्यनीति अपनाई है, जिससे मरीजों को एक ही स्थान पर विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के लिए विकल्प मिल

सके। आयुष डॉक्टरों/पैरामेडिक्स की नियुक्ति और उनके प्रशिक्षण को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समर्थित किया जाता है, जबकि आयुष अवसंरचना, उपकरण/फर्नीचर और दवाओं के लिए समर्थन, साझा जिम्मेदारियों के रूप में एनएएम के तहत आयुष मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जाता है।

*****